1998 से निरंतर प्रकाशित

RNI.No. MPHIN/2017/73838

ISSN 2581-446X

वर्ष-8, अंक-2, अक्टूबर-नवम्बर 2024, ₹50/-

गौरवशाली यात्रा के
28 वर्ष का 131 अंक...

कला समय

कला, संस्कृति, साहित्य एवं समसामयिक द्वैमासिक पत्रिका

देवी अहिल्याबाई होल्कर
300वाँ जन्म जयंती वर्ष विशेषांक

अतिथि संपादक : पं. कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय

संपादक : भँवरलाल श्रीवास

महेश्वर में कला समय पत्रिका के आयुष्य संस्कृति विशेषांक का लोकार्पण

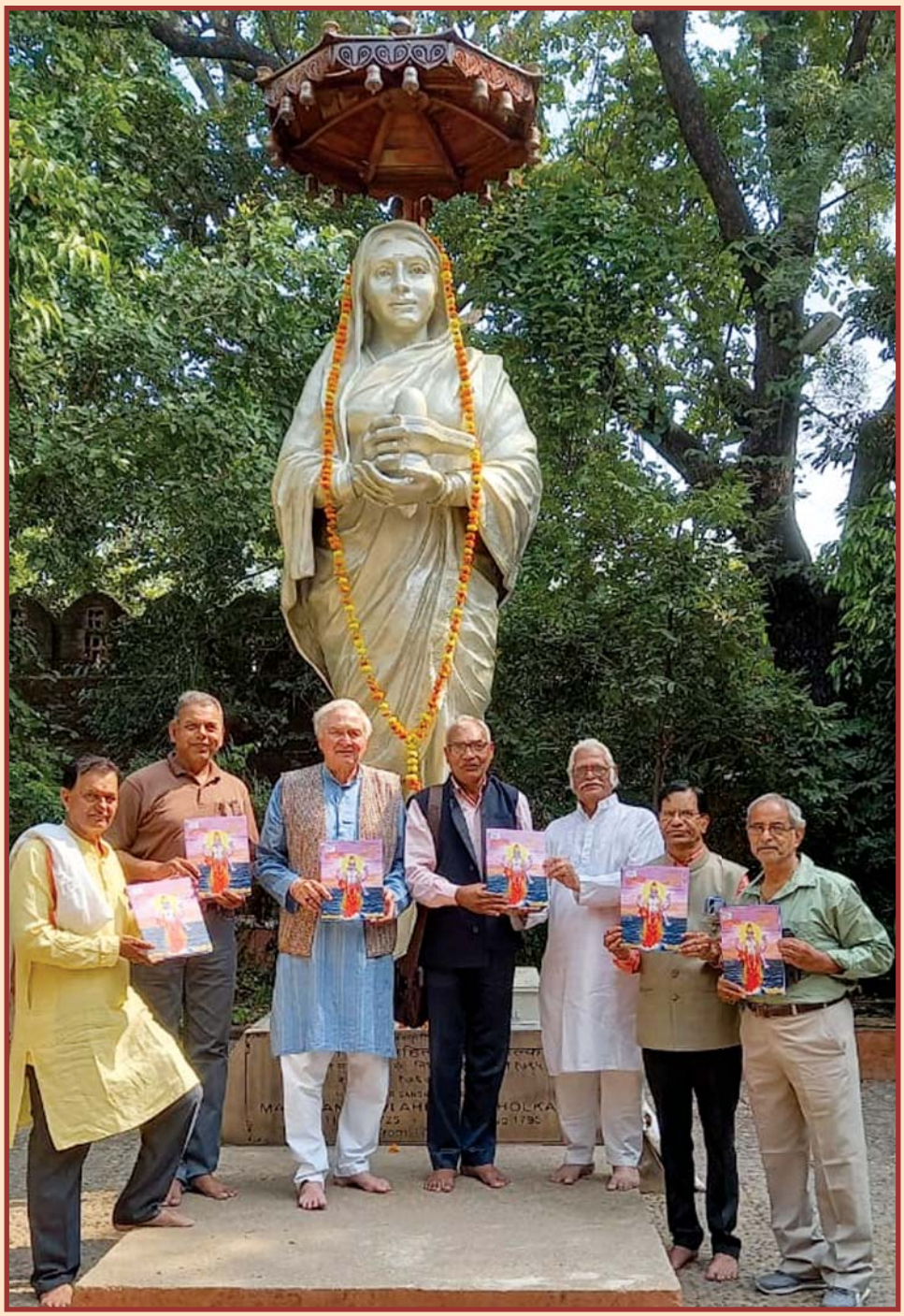

महेश्वर राजवाड़ा में स्थापित पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा के सान्निध्य में लगभग तीन दशक से भोपाल से प्रकाशित कला समय पत्रिका के आयुष्य संस्कृति विशेषांक का लोकार्पण किया गया। महेश्वर संस्कृति सहयोग समिति के अध्यक्ष प्रिंस रिचर्ड होलकर के मुख्यातिथ्य में कार्यक्रम हुआ। कला समय के प्रधान संपादक भँवरलाल श्रीवास भोपाल, पुरातत्वविद् कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय मंदसौर, अखिल निमाड़ लोक परिषद अध्यक्ष हरीश दुबे, भारतीय सेना में पदस्थ धर्म शिक्षक, गुरु सूबेदार बद्रीनारायण जोशी, कवि सत्यदेव बंदुके व साहित्य अनुरागी मनोज व्यास भोपाल बतौर अतिथि उपस्थित थे। श्रीवास ने देवीश्री की जन्मोत्सव त्रिशती पर अगला अंक देवी अहिल्याबाई होलकर पर केंद्रित प्रकाशित करने की घोषणा की। इस पर सभी ने हर्ष जताया।

RNI NO. MPHIN/2017/73838

1998 से निरंतर प्रकाशित

देश की सर्वश्रेष्ठ एक मात्र सांस्कृतिक पत्रिका

कला समय पत्रिका वेबसाइट पर उपलब्ध

www.kalasamaymagazine.com

ISSN 2581-446X

(पंजीयन पूर्व प्रकाशित अंक, वर्ष सम्मिलित)

(वर्ष : 20+08=28) पूर्णांक-131,

वर्ष-8, अंक-2, अक्टूबर-नवम्बर 2024, मूल्य : ₹50/-

माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल म.प्र. द्वारा 'रामेश्वर गुरु सम्मान' से पुरस्कृत
श्री भारतेन्दु समिति कोटा (राज.) द्वारा 'साहित्यश्री' सम्मान एवं
साहित्य मण्डल श्री नाथद्वारा (राज.) द्वारा 'सम्पादक रत्न' सम्मान से सम्मानित
म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल (म.प्र.) द्वारा उर्मिला तिवारी स्मृति 'सप्तपर्णी सम्मान' से पुरस्कृत
इन्टरनेशनल ध्रुवपद-धाम ट्रस्ट, जयपुर (राज.) द्वारा 'लाइफ टाइम अचीवमेंट' सम्मान

कला समय

कला, संस्कृति, साहित्य एवं समसामयिक द्वैमासिक पत्रिका

❊ पत्रिका नहीं, एक रचनात्मक अनुष्ठान ❊

संरक्षक
विजयदत्त श्रीधर
(पद्मश्री से विभूषित)
डॉ. महेन्द्र भानावत
श्यामसुंदर दुबे
कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय
महेश श्रीवास्तव

❊

कानूनी सलाहकार
उमेश कुमार गुप्ता
(प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश रिटा.)

❊

परामर्श
लक्ष्मीनारायण पयोधि
डॉ. नारायण व्यास
प्रो. सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट 'रसरंग'
प्रो. सुधा अग्रवाल

❊

सांस्कृतिक प्रतिनिधि
चेतना श्रीवास

❊

वेबसाइट प्रबंधन
मयंक अग्रवाल

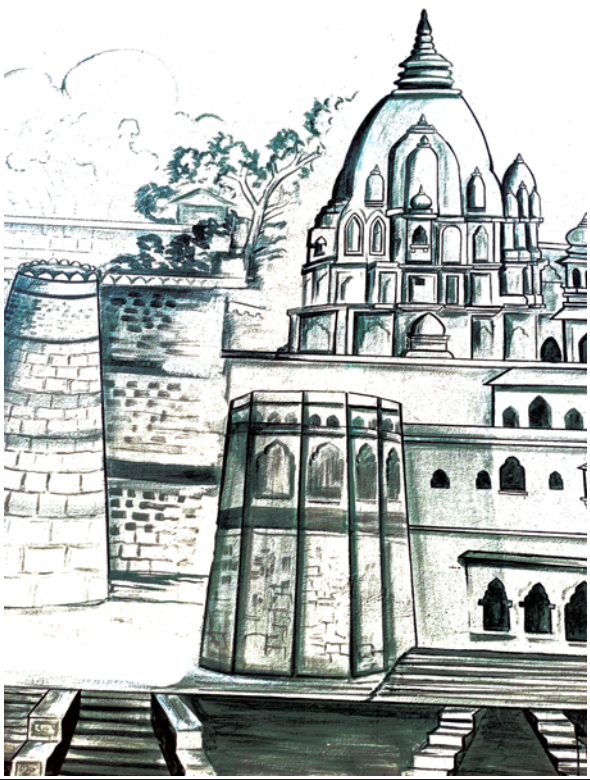

रेखाचित्र सौजन्य: डॉ. श्री कृष्ण 'जुगनू'

संपादक
भँवरलाल श्रीवास

❊

सलाहकार संपादक
डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा

❊

सह संपादक
डॉ. मधु भट्ट तैलंग

❊

उप संपादक
राहुल श्रीवास
सुन्दरलाल प्रजापति

❊

नरिन्दर कौर
प्रबंध संपादक

❊

संपादक मंडल
डॉ. बिनय षडंगी राजाराम
साहित्य

❊

अरुण तिवारी
समसामयिक

❊

हरीश श्रीवास
कला, संस्कृति

सदस्यता सहयोग राशि:
(साधारण डाक)

वार्षिक	:	300 (व्यक्तिगत)	350 (संस्थागत)
द्वैवार्षिक	:	600 (व्यक्तिगत)	700 (संस्थागत)
चार वर्ष	:	1000 (व्यक्तिगत)	1200 (संस्थागत)
आजीवन	:	10,000 (व्यक्तिगत)	12000 (संस्थागत)

(15 वर्ष के लिए)

(कृपया सदस्यता शुल्क- ऑनलाईन/ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा 'कला समय' के नाम पर उक्त पते पर भेजें)

विशेष : 'कला समय' की प्रतियाँ साधारण डाक/रजिस्टर्ड बुक-पोस्ट से भेजी जाती हैं यदि कोई महानुभाव रजिस्टर्ड पोस्ट से पत्रिका मंगवाना चाहते हैं तो कृपया वार्षिक डाक खर्च 150/- अतिरिक्त भेजने का कष्ट करें।

कार्यालय सम्पर्क :
संपादकीय एवं सदस्यता सहयोग
जे-191, मंगल भवन, ई-6, महावीर नगर,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र.)-462016
फोन : 0755-2562294, मो.- 94256 78058
ई-मेल : kalasamaymagazine@gmail.com
bhanwarlalshrivas@gmail.com
वेबसाइट : **www.kalasamaymagazine.com**

ऑनलाइन सदस्यता सहयोग सुविधा :
'कला समय' का बैंक खाता विवरण

पंजाब नैशनल बैंक की शाखा अरेरा कॉलोनी भोपाल, म.प्र. **(IFSC : PUNB0093210)** के नाम देय, खाता संख्या **A/No. 09321011000775** में ऑनलाइन राशि जमा कराने के बाद रसीद की फोटोकॉपी अपने पूर्ण पते के साथ हमें भेज दें।

कला समय पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों, अतिथि संपादकों के अपने हैं, यह जरूरी नहीं कि संपादक, प्रकाशक, मुद्रक उनसे सहमत हो। पत्रिका से सम्बंधित समस्त विवाद, भोपाल न्यायालय के अधीन ही रहेंगे। सम्पादन, संचालन, प्रबंधन एवं प्रकाशन- अवैतनिक, अव्यवसायिक

विशेष नोट : © सर्वाधिकार सुरक्षित 'कला समय' प्रबंधन यह स्पष्ट करना आवश्यक समझता है कि 'कला समय' में प्रवेशांक फरवरी-मार्च 1998 से लेकर अब तक प्रकाशित होने वाली समस्त सामग्री या सामग्री के अंश के पुनर्प्रकाशन तथा पुनरुत्पादन के सर्वाधिकार कॉपीराइट अधिनियम के अंतर्गत 'कला समय' के पास सुरक्षित हैं। अत: कोई भी व्यक्ति या संस्था 'कला समय' की इस सामग्री या इस सामग्री के अंश का उपयोग प्रबंधन की पूर्वानुमति के बिना न करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी भँवरलाल श्रीवास द्वारा गणेश ग्राफिक्स, 26 बी, देशबन्धु भवन, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं जे-191, मंगल भवन, ई-6, महावीर नगर, अरेरा कालोनी, भोपाल (म.प्र.)- 462016 से प्रकाशित। संपादक - **भँवरलाल श्रीवास**

नीलकण्ठ औंकार लाल व्यास

रामभाऊ लांडे

डॉ. प्रभाकर गद्रे (डी.लिट्)

डॉ. जे.के ओझा

डॉ.एस.के.भट्ट

डॉ. सहदेव सिंह चौहान

डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव

नेहा भांडारकर

डॉ. सरोज गुप्ता

डॉ. घनश्याम बटवाल

शंभु दयाल गुरु

डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू'

डॉ. सुमन चौरे

हरीश दुबे

प्रो. डॉ. श्रीराम परिहार (डी.लिट्)

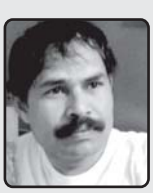
चेतन औदिच्य

रीना सोपम

सत्यदेव बंदूके

इस ऐतिहासिक विशेषांक के अतिथि संपादक

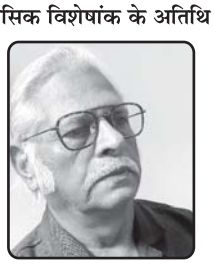

पं. कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय
(राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त)
वरिष्ठ साहित्यकार, इतिहासकार एवं पुरातत्वविद्

- **अतिथि संपादक की कलम से**
  अहिल्याबाई के जन्म व मृत्यु की तारीखों को लेकर भ्रांतियाँ हैं 05
- **संपादकीय**
  सुशासन शिल्पी धन्य है ! लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर 08
- **आलेख**
  अहल्यबाई का प्राचीनतम विवरण/ पं. कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय 10
  अहल्याबाई होलकर और राजपूताना/ पं. कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय 16
  अहल्याबाई कालीन अस्तल मंदिर.../ पं. कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय 18
- **कविता**
  मालव गौरव गान/नीलकण्ठ औंकार लाल व्यास 21
- **आलेख**
  अहिल्यादेवी के विवाह की हकीकत/रामभाऊ लांडे 23
  अहल्याबाई होलकर की सन 1789 ई .../ डॉ. प्रभाकर गद्रे (डी.लिट्) 25
  अहल्याबाई और महेश्वर/ रामेश्वर गौरीशंकर ओझा 27
  महाराणा ने अहिल्याबाई को बहिन बनाया/डॉ. जे.के ओझा 31
  अहिल्याबाई और रामपुरा के चंद्रावत/डॉ.एस.के.भट्ट 33
  आठले दफ्तर में अहिल्याबाई के पत्र/डॉ. सहदेव सिंह चौहान 36
  होलकर राजवंश की छत्रियों का रासायनिक उपचार/डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव 37
  अहिल्याबाई होलकर : आदर्श नारी /नेहा भांडारकर 39
  लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का अवदान/डॉ. सरोज गुप्ता 43
  अहिल्याबाई होलकर संग्रहालय, महेश्वर/डॉ. घनश्याम बटवाल 44
  अलौकिक शक्ति, धर्म, न्याय की जयोतिपुंज देवी.../शंभु दयाल गुरु 45
- **समय की धरोहर....**
  तीर्थो की तारक: उद्धारक/ डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' 48
- **आलेख**
  सगुणी मायऽ अहिल्या राणी/डॉ. सुमन चौरे 52
- **अद्वैत-विमर्श**
  कालड़ी से कैलाश तक/प्रो. डॉ. श्रीराम परिहार (डी.लिट्) 56
- **आलेख**
  इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है देवी अहिल्याबाई .../हरीश दुबे 60
  अहिल्याबाई का महेश्वर, जहां शिवजी राज करते हैं/सावित्री परमार 63
  ऐतिहासिक विरासत : महेश्वर की महिमा/भँवरलाल श्रीवास 65
- **कला-अक्ष**
  आर्ट कैंप का तिलिस्म अनोखा/चेतन औदिच्य 67
- **पुस्तक समीक्षा**
  कामना से काल हारा की समीक्षा/देवनाथ द्विवेदी 69
  इस सुबह की रात नहीं : कुछ सुनी कुछ अनसुनी/डॉ अरुण कुमार वर्मा 73
- **संस्करण**
  'उन बंद होंठों के पीछे एक महिला कलाकार.../रीना सोपम 75
- **आयोजन**
  जब आप नृत्य करते हैं तो नृत्य-नर्तक-दर्शक सब एक हो जाते हैं... 77
  देश का सर्वेश्रेष्ठ फिल्म अनुकूल राज्य है मध्यप्रदेश प्रमुख सचिव ... 80
- **समवेत** **82-86**

शब्द संयोजन एवं आकल्पन - गणेश ग्राफिक्स, भोपाल, 9981984888
मुख्य एवं अंतिम आवरण - भँवरलाल श्रीवास, प्रधान संपादक द्वारा की गई फोटोग्राफी
छायाचित्र -मनीष सराठे, सुनील सेन, गूगल से साभार
सहयोग- धन सिंह, लता श्रीवास | **रेखाचित्र** : डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' के सौजन्य से
आवरण सज्जा - मनोज माकोड़े, गणेश ग्राफिक्स

अतिथि संपादक की कलम से...

अहिल्याबाई के जन्म व मृत्यु की तारीखों को लेकर भ्रांतियाँ हैं

मुद्दा अहिल्याबाई के जन्म व मृत्यु की सही तारीखों का

अहिल्याबाई के जन्म व मृत्यु की तारीखों को लेकर भ्रांतियाँ हैं और यह आलेख भी ऐसी ही एक भ्रांति का शिकार है। अहिल्याबाई किसी ख्यात वंश अथवा राजपरिवार में नहीं जन्मी थीं कि उनकी जन्म पत्रिका बनवाई जाती। वे कब जन्मी कितने वर्ष की उम्र में स्वर्गवासी हुईं, इसमें भारी मतभेद हैं। पारसनीस के अनुसार 1780 में अहिल्याबाई 55 वर्ष की थीं। इस प्रकार पारसनीस के अनुसार अहिल्याबाई का जन्म 1725 में हुआ था और वे अपनी मृत्यु के समय 70 वर्ष की थीं। इसके विपरीत सर जॉन मालकम के अनुसार अहिल्याबाई की मृत्यु 60 वर्ष की उम्र में हुई। मालकम के अनुसार अहिल्याबाई का जन्म 1735 में हुआ। पर, ये सब अनुमान के घोड़े हैं क्योंकि अहिल्याबाई की कोई प्रामाणिक जन्म-मृत्यु तारीख उपलब्ध नहीं है।

मेरे संस्थान (दशपुर प्राच्य शोध संस्थान, मन्दसौर) में **''होळकरों के खानदान का हाल''** नामक एक हस्तलिखित ग्रंथ की प्रति है जो पण्डित धरमनारायण द्वारा संवत् 1910 सन् 1853 ई. की 24 अगस्त, कों अंग्रेजी किताबों से बनाकर इन्दौर के छापाखाने में छपवायी (यद्यपि इस ग्रंथ की मुद्रित कोई भी प्रति आज तक उपलब्ध नहीं है) थी। **इस ग्रंथ की 1881 ई.में गोवींदराव सारंगपाणी द्वारा तैयार की गई नकल (143,वर्ष प्राचीन) मेरे संग्रह में है।** इस पुस्तक में अहिल्याबाई (पुस्तक में यही नाम है) का विवरण विस्तार से लिखा गया है। पर, इसमें अहिल्याबाई का जन्म कब हुआ ? यह नहीं बताया ('कला समय' के पाठकों के लिये मैंने इस हस्तलिखित पाण्डुलिपि का अंश जस का तस प्रस्तुत किया है।) गया है। यानें तुकोजीराव होलकर द्वितीय (1844-1886 ई.) के समय में जब होळकरों के खानदान का हाल लिखने का प्रथम प्रयास किया गया तब भी अहिल्याबाई की जन्म व मृत्यु की तिथि अज्ञात ही थी।

इस पुस्तक में उनकी मृत्यु की तारीख तो नहीं लिखी परन्तु यह लिखा है कि जब 1795 ई. में वैकुंठ वासी हुई तब वह 60 बरस की थी। यानें 171 वर्षों पूर्व उनका जन्म वर्ष 1735 ठहरता है। इस प्रकार 1735+60 = 1795 में अहिल्याबाई का स्वर्गवास होना1795 प्रमाणित होता है। लेकिन आज जब मैं यह संपादकीय लिख रहा हूँ तब इससे भी प्राचीन जानकारी प्राप्त हो गयी है। जहाँ तक मेरी जानकारी है इस जानकारी का अभी तक शायद ही किसी ने उपयोग किया हो ? इस जानकारी की विस्तार पूर्वक चर्चा इसी अंक में धनगर इतिहास के अभ्यासक श्री रामभाऊ लांडे ने अपने आलेख में की है।

अब अहिल्याबाई के विवाह की निमंत्रण पत्रिका तथा अन्य जानकारी का उल्लेख दो स्थानों पर प्राप्त हो जाने के कारण हमें मालकम, सखाराम शास्त्री भागवत, व अन्य विद्वानों की जानकारी पर अवलम्बित रहने की आवश्यकता नहीं है। अहिल्याबाई के विवाह की प्राचीनतम जानकारी दो स्थानों पर मिलती है -

1. पेशवा दफ्तर , खण्ड -30,पृ.381, पत्र क्र.367
2. होलकरशाहीच्या इतिहासाची साधने पृ. 24 पत्र क्र. 39 यह पत्र 31 मई,1738 ई. का है।

इन विवरणों के अनुसार विवाह के समय अहिल्याबाई के विवाह के समय उनकी उम्र आठ वर्ष बतायी गई है यानें उनका जन्म 1730 ठहरता है। अब इस जानकारी के अनुसार पूर्वानुमान गलत सिद्ध होता हैं। अब भावी इतिहास को इससे अच्छा प्रमाण मिलने वाला नहीं है।

इसके बावजूद भी महारानी के जन्म के नवीन प्रमाण प्रस्तुत करने का सिलसिला थमा नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मा. सरकार्यवाहक श्री दशात्रेय होसबाले ने अपनी लघु पुस्तिका में 31, मई, 2024 से देवी

अहिल्याबाई होलकर का 300 वाँ जयन्ती वर्ष प्रारंभ होने की जानकारी दी है। इसी के अनुसार **'कला समय' के इस अंक** का प्रकाशन भी किया जा रहा है। मा. सरकार्यवाहक नें लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जन्म दिन 31, मई, 1723 मानकर अपनी गणना की है। मैंने अपनी दुविधा के सम्बन्ध में मा. सरकार्यवाहक होसबाले महोदय को एक पत्र भी प्रेषित किया था क्योंकि आपने अहिल्याबाई का विवाह बारह वर्ष की उम्र में होना बताया है। यदि इस नवीन तिथि को स्वीकार करते हैं तो महारानी के जीवन चक्र की अनेक गतिविधियों सहित मृत्यु की तिथि में जो परिवर्तन होता है वो असंभव प्रतीत होता है क्योंकि 1723+60 = 1783 ई. आवेगा। यदि 70 जोड़ते हैं तो 1793 ई.आवेगा।

सवाल यह भी उठता है कि 31, मई, 1723 की यह नवीन तिथि आयी कहाँ से क्योंकि श्रीमंत हर हायनेस महारानी उषादेवी ऑफ इंदौर (अध्यक्ष- खासगी ट्रस्ट, इंदौर) के मार्गदर्शन में जिस **'अहिल्या स्मारिका' का प्रकाशन 1970 से 1985** तक किया गया उसमें अहिल्याबाई का जन्म-1725 व मृत्यु की तारीख गुरुवार 30, अगस्त, 1795 ई. प्रकाशित होती रही है। तो क्या होलकर वंश की वंशजा गलत जानकारी का प्रकाशन करा रही थी? मैं यह प्रश्न ''लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति'' के किसी जिम्मेदार सदस्य से पूछना चाहता था पर इस समिति में शंकराचार्यजी, महंत, पूर्व लोकसभा सदस्य, विधायक, नृत्यांगना, कुलपति, समाजसेवी, सेनाधिकारी, शिक्षाविद्, लोकगायिका, कबीर भजन गायक, प्रेरक प्रवक्ता, उद्योगपति आदि कोई 47 भद्रपुरूषों की लम्बी-चौड़ी सूची में होलकर राजपरिवार कहीं नहीं दिखा।

इसी प्रकार अहिल्याबाई के जन्म की तरह उनकी मृत्यु के बारे में भी विद्वान अपनी-अपनी राय देते रहे हैं। 'वाकया-इ-होलकर' में अहिल्याबाई की मृत्यु 13 अगस्त 1795 को होना बताया गया है। दुर्भाग्य से इस महान व्यक्तित्व के जीवनकाल का एक भी पत्र ऐसा नहीं है जिससे इनकी मृत्यु की निश्चित तारीख की पुष्टि की जा सके। अहिल्याबाई की मृत्यु का समाचार पेशवा को पूना भेजा गया होगा, परंतु यह पत्र पेशवा दफ्तर में नहीं मिला है। लोक मान्यता के अनुसार इसे नष्ट कर दिया गया होगा। अलबत्ता पेशवा से जो शोक-संवेदना पत्र आया होगा वह अवश्य होलकरों के इन्दौर अभिलेखागार में सुरक्षित किया गया होगा। दुर्भाग्य से होलकरों के राजबाडे को सर्जेराव घाटगे ने पहलीबार लूटा-जलाया, 1984 ई. के सिख्ख विरोधी दंगें में फिर इसकी दुर्दशा हुई, वर्ष 2016 में इसका एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ऐसी स्थिति में होलकर अभिलेखागार कब विनष्ट हो गया इसका अनुमान लगाना कठिन है क्योंकि समाचार पत्र भी मूल्यवान सामग्री की जानकारी उगलते हैं, कागजों को कौन पूछता है ?

इन्दौर में प्रदेश के दिग्गज इतिहासकार निवास करते रहे हैं। होलकरों की इस महान राजधानी में मध्यप्रदेश पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल के पश्चिमी क्षेत्र के उपसंचालक का कार्यालय भी है। जहाँ तक मेरी जानकारी है इस कार्यालय के द्वारा 14-15 अप्रैल, 2018 को ''देवी अहिल्याबाई होलकर एवं मालवा'' विषय पर शोध संगोष्ठी का आयोजन किया था। इस अवसर पर विभाग ने एक तहपत्रिका का प्रकाशन भी किया था। इसमें विभाग ने अहिल्याबाई का जो जन्मवर्ष दिया है इसके अनुसार त्रिशताब्दी समारोह के आयोजन में अभी आठ वर्ष शेष हैं। यद्यपि मेरे मतानुसार मध्यप्रदेश पुरातत्व विभाग भी स्थिरमति नहीं है क्योंकि लगभग चालीस वर्ष पूर्व इसी विभाग ने अपने द्वारा प्रकाशित एक फोल्डर में उनकी मृत्यु 24, सितंबर, 1795 ई. लिखी थी। इसी विभाग के ही पदाधिकारियों ने 17, जून, 98 को ''देवी अहिल्याबाई पुरातत्व संग्रहालय, महेश्वर'' के लोकार्पण पर प्रकाशित फ ोल्डर में उनकी मृत्यु 13 अगस्त 1795 ई. को होना बताया है। **कम से कम मध्यप्रदेश शासन के अधिकारियों को तो एकमत होना चाहिये।**

इस प्रकार हम देखते हैं कि अहिल्याबाई की जन्म व मृत्यु की तारीख-वर्ष प्रामाणिक रूप से ज्ञात न होने के कारण लोग अपनी-अपनी ढ़पली अपना-अपना राग अलाप रहे हैं। निष्कर्ष यह है कि पण्डित सखाराम शास्त्री भागवत के अनुसार दी गई भारतीय तिथियों की अँगरेजी तारीख के अनुसार अहिल्याबाई का जन्म रविवार 23, मई, 1725 ई. को हुआ तथा मृत्यु बुधवार 15, जुलाई, 1795 ई.को हुई। इसके अनुसार वे 70 वर्ष 1 माह 22 दिन जीवित रहीं? पर, **नवीनतम जानकारियाँ इन तिथियों को झुठलाती हैं अत: पुण्यश्लोका, लोकमाता अहिल्याबाई का त्रिशताब्दी वर्ष मनाने के पूर्व उनकी जन्म व मृत्यु की तारीख का प्रामाणिक प्रकाशन होना चाहिए।**

इस वर्ष हिन्दुओं के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली के आयोजन में मतैक्य हुआ। कुछ लोगों ने इसे 31, अक्टूम्बर को तो कुछ ने 1 नवम्बर को मनाया। मालवा में कहावत है कि- ''सदा दिवारी संत की बारहों मास बसन्त'' इसी धारणा को लेकर 'कला समय' के सम्पादक मान्यवर भँवरलाल श्रीवास ने विचार रखा कि- क्यों न हम पुण्यश्लोका अहिल्याबाई की स्मृति में 'कला समय' के आगामी अंक का प्रकाशन करें सुन्दर विचार पर, बहसबाजी कैसी? मा.सरकार्यवाहक **श्री दत्रात्रेय होसबाले** महोदय के वक्तव्य को शिरोधार्य कर इस अंक को अहिल्याबाई की

कीर्ति के विस्तार की कामना हेतु प्रकाशित किया जा रहा है।

'कला समय' के पाठकों को इस अंक में किसी-किसी लेख में 'अहल्याबाई' और किसी लेख में 'अहिल्याबाई' पढ़ने को मिल सकता है। वर्ष 1971 ई. में ''अहिल्या स्मारिका'' के द्वितीय अंक में वी.सी.सरवटे ने सर्वप्रथम यह सुझाव दिया था कि **'अहिल्याबाई' शुद्ध नाम नहीं है** इसके स्थान पर **'अहल्याबाई' होना चाहिये।** मैंने दोनों नामों का प्रयोग पाया है अत: परंपरागत व लोक प्रचलन दोनों को स्वीकार किया हैं।

हमारे आमंत्रण पर सर्वश्री **रामभाऊ लाण्डे** (होलकर इतिहास संशोधक,अंबड,महाराष्ट्र), मोड़ी विशेषज्ञ **डॉ. प्रभाकर गद्रे** (भौसले इतिहास संशोधक, आमगाँव **जिल्हा भण्डारा**, महाराष्ट्र), ने अति महत्वपूर्ण सामग्री भेजकर नवीन जानकारियाँ प्रदान की। म.प्र. गजेटियर के जनक एवं वरिष्ठ इतिहासकार **डॉ.एस.डी.गुरु** (भोपाल) ने कोई **95 वर्ष** की आयु में लेख भेजकर हमारे उत्साह की अभिवृद्धि की। मुद्राशास्त्र के लब्धप्रतिष्ठित विद्वान **डॉ. शशिकान्त भट्ट** (निदेशक- मुद्रा अकादमी, इन्दौर) ने आजीवन मराठा इतिहास पर अति शोधपूर्ण लेखन कार्य किया है। डॉ. भट्ट के आंग्ल भाषा में पूर्वप्रकाशित लेख का हिन्दी रूपान्तरण कर हमने प्रसाद स्वरूप प्रयोग किया है। इसी श्रृंखला में मैं राजस्थान के ख्यात इतिहासकार **डॉ. जे.के.ओझा** व **डॉ.श्रीकृष्ण जुगनू, वरिष्ठ साहित्य कार, लोकविद् डॉ. सुमन चौरे** के शोधपूर्ण लेखों के लिये ऋण स्वीकार करता हूँ।

अप्रवासी इतिहासज्ञ एवं साहित्यकार **श्री गौरीशंकर दुबे** (सिएटल, अमेरिका) ने अपने संग्रह से **डॉ.रामेश्वर गौरीशंकर ओझा** (प्रथम क्यूरेटर, नवरत्न मंदिर संग्रहालय, इन्दौर) के 1930 ई. में प्रकाशित शोधलेख ''अहल्याबाई होलकर और महेश्वर'' की फोटो कापी उपलब्ध करवायी। कोई 95 वर्ष पूर्व प्रकाशित इस अति महत्वपूर्ण लेख का पुन: मुद्रण कर हमने अपने ज्ञान की अभिवृद्धि की है। श्रीनटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ (मालवा) के शोध अधिकारी एवं उदीयमान इतिहासकार **डॉ. सहदेवसिंह** ने अप्रकाशित आठले संग्रह में अहल्याबाई के चार दर्जन से भी अधिक पत्र-व्यवहार की जानकारी प्रदान कर हमारे प्रयास को मूल्यवान बना दिया है। रसायनविद् **डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव** ने मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग में कार्यरत रहते हुए इन्दौर के पुरा स्मारकों के रासायनिक उपचार का महत्वपूर्ण कार्य सम्पादित किया है और सेवानिवृश्रि के पश्चात भी आप इन्दौर ही नहीं पूरे प्रदेश में पुरा स्मारकों के संरक्षण में तन-मन- धन से समर्पित रहे हैं, आपके लेख से 'कला समय' के पाठकों कों नवीन वैज्ञानिक प्रयास की जानकारी होगी।

'कला समय' के आवाहन पर हमें लब्धप्रतिष्ठित पत्रकार **डॉ. घनश्याम बटवाल** (मन्दसौर) का अहल्याबाई होलकर संग्रहालय, महेश्वर पर आलेख प्राप्त हुआ। श्रीबटवाल ने इस संग्रहालय की कुछ कमियों की और हमारा घ्यान आकर्षित किया है। आशा है विभाग पुरातत्व विभाग अपने संग्रहालय को उन्नत करेगा। **नेहा भाण्डारकर** (नागपुर) एवं **प्रो. डॉ. सरोज गुप्ता** (सागर), **हरीश दुबे** (महेश्वर) ने लोकमाता पर अपने-अपने आलेख भेजे हैं, तदर्थ बहुत-बहुत साधुवाद।

इस अंक में प्रकाशित लेखों का दायित्व इनके लेखकों का है। इससे सम्पादक/अतिथि सम्पादक का कोई वास्ता नहीं है। हमारा उद्देश्य पुण्यश्लोका अहल्याबाई होलकर के काल की शोधपूर्ण एवं नवीन सामग्रियों के प्रकाशन का है। इसे घ्यान में रखकर विद्वानों से अपने लेख के साथ सन्दर्भ लिखें भी हैं पर, इस अंक में सन्दर्भ प्रकाशित नहीं किये जा रहे हैं क्यों कि इस पत्रिका की अपनी एक सीमा है। फिर हम पत्रिका पर अधिक आर्थिक बोझ नही थोप सकते है। इस प्रकाशन में कुछ कमियाँ, त्रुटियाँ रहना स्वाभाविक है। इस ओर 'कला समय' के पाठक पत्र भेजकर अपने विचार/जानकारियाँ भेज सकते है। हम पाठकों की प्रतिक्रियाओं का सदैव स्वागत करते हैं। आपकी खोजपूर्ण सूचनाएँ अगामी अंक की पृष्ठभूमि तैयार कर सकती है। हमारे पास अभी अहल्याबाई से सम्बन्धित प्रचुर सामग्री शेष है।

इस अंक के लिये हमने अनेक विद्वानों से आग्रह किया था जिन्होंने सहयोग किया वे 'कला समय' की अनुक्रमणिका में दर्ज हैं। केन्द्रिय संग्रहालय के श्री जे.पी.मणि को महाराणा अरिसिंह के ताम्रपत्र का छायाचित्र प्रदान करने,तथा चि. वैभव को इस अंक की सामग्री के व्यवस्थिकरण हेतु बहुत-बहुत आशीर्वावाद। सिद्धिरस्तु ।।

कार्तिक पूर्णिमा, वि. सं. 2082
तद्नुसार - शुक्रवार 15 नव्हम्बर, 2024

पं. कैलाशचन्द्र घनश्याम पाण्डेय
श्री दशपुर प्राच्य शोध संस्थान, मंदसौर
2/67 नई आबादी, मन्दसौर, 458001 मोबा. 9424546019 ई. मेल - dasc.kcp@gmail.com